कार्यक्रम एम.ए. हिन्दी (प्रथम व द्वितीय वर्ष)

हिन्दी विभाग, हिन्दी

चौधरी छाज्जूराम जाट मैमोरियल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हिसार (हरियाणा)

कार्य प्रणाली और परिणाम

कोर्स	**विषय एम.ए. हिन्दी** दो वर्षीय स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम है इसके दौरान 4 सैमस्टेर विद्यार्थी को पास करने होते है। तदउपरान्त विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी/व्यवसाय कर सकता है। जैसे विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय आदि में अध्यापन का कार्य आदि। इसके अतिरिक्त सूचना प्रौधोगिकी में बढ़ता हिन्दी भाषा का प्रचलन आज मनुष्य को अपनी और आकर्षित कर रहा है। जिसके कारण इस विभाग में हिन्दी की अपार संभावना नजर आ रही है। एम.ए. हिन्दी के उपरान्त सूचना एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विद्यार्थी अपना उज्जवल भविष्य बना सकते है। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कला एवं वाणिज्य के क्षेत्र में भी अपार सम्भावनाए नजर आती है। हिन्दी भाषा अब विश्व की श्रेष्ठ भाषाओं में गिनी जाती है। व्यापार व विज्ञापन के क्षेत्र भी इस भाषा से अछूते नहीं है। हिन्दी के उज्ज्वल भविष्य को देखते हुए हिन्दी स्नातकोत्तर (एम.ए.) में 10 उपविषय प्रदान किये गए है। जिनको उत्तीर्ण करने पर एम.ए. हिन्दी की उपाधि विद्यार्थी को प्रदान की जाती है। तत्पश्चात् हिन्दी के क्षेत्र में विद्यार्थी अपना भविष्य बना सकता है। उपविषयों की उपयोगिता निम्न प्रकार से है :–
विषय व उप विषय (हिन्दी)	**एम. ए. हिन्दी प्रथम वर्ष**
भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा	❖ हिन्दी भाषा की शुद्ध वर्तनी एवं उच्चारण का ज्ञान इसी विषय से प्राप्त किया जाता है तथा भाषा विज्ञान के क्षेत्र में अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शिक्षा संस्थानों में रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं। ❖ हिन्दी भाषा वैज्ञानिक बनने के लिए इस विषय की जानकारी अति आवश्यक है। अतः यह विषय महत्वपूर्ण है।

हिन्दी साहित्य का इतिहास	◆ यह उपविषय साहित्य के क्षेत्र में अपनी अह्म भूमिका रखता है आधुनिक, पाश्चात्य व मध्यकालीन हिन्दी साहित्य का ज्ञान इस विषय के अंतर्गत आता है एम.ए. हिन्दी के दौरान विद्यार्थी को इसी विषय से साहित्य लेखन, आलोचना व साहित्य प्रबन्धन के क्षेत्र में महारत हासिल होती है और वह साहित्य के क्षेत्र में अपने आप को स्थापित कर सकता है।
आधुनिक गद्य साहित्य	◆ गद्य की विद्या इसी उपविषय के अंतर्गत आती है गद्य लेखन की कला व गद्य साहित्य की जानकारी विद्यार्थी को इसी विषय से प्रदान होती है। गद्य लेखन के सभी गुण विद्यार्थी इसी विषय से प्राप्त करता है। ◆ गद्य की आधुनिक कलाओं से यह विषय परिपूर्ण है ◆ गद्य परम्परा में आधुनिकता लाने वाले लेखकों का परिचय व उनकी कृतियाँ इसी विषय से विद्यार्थी प्राप्त करता है और यह विषय विद्यार्थी को लेखन व्यवसाय से जोड़ता है।
आधुनिक हिन्दी काव्य	◆ काव्य की आधुनिक रचनाएँ और उनके लेखकों का परिचय आधुनिक हिन्दी काव्य लेखन परम्परा की जानकारी इसी विषय के अंतर्गत आती है
प्रेमचंद	◆ प्रेमचंद के कहानी, उपन्यासों की जानकारी उनकी मर्मता व भावप्रधानता तथा विषय की गंभीरता इसी उपविषय के अंतर्गत विद्यार्थी प्राप्त करता है।
	एम.ए. द्वितीय वर्ष
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	◆ प्राचीन और मध्यकालीन कविता की संपूर्ण जानकारी (काल क्रम, लेखक व रचनाएँ) इसी विषय के अंतर्गत आती है। एक अच्छे कवि बनने के लिए यह विषय अति उपयोगी है
काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	◆ काव्य के नियमों, काव्य के प्रकार, काव्य के सिद्धांत, आलोचना व समालोचना तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र से विद्यार्थी को इसी विषय से अवगत करवाया जाता है। एक अच्छा काव्यशास्त्री बनने के लिए यह

	विषय अत्यंत महत्वपूर्ण है।
प्रयोजन मूलक हिन्दी	◆ भाषा, राज भाषा, राष्ट्रभाषा व भाषा के अंतर्गत आने वाली विभिन्न बोलियां व भाषा नियम तथा वैज्ञानिक शब्दावली इसी विषय में सम्माहित है। ◆ इस विषय में परागंत विद्यार्थी विभिन्न राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी संस्थानों व संसद तथा सचिवालयों में रोजगार प्राप्त कर सकता है।
भारतीय साहित्य	◆ इस विषय के अंतर्गत विद्यार्थी को भारतीय हिन्दी साहित्य के आदिकाल, भक्तिकाल, आधुनिककाल में रचे गए हिन्दी साहित्य की जानकारी उपलब्ध करवाई जाती है। विषय में पारगंत विद्यार्थी साहित्य शोध संस्थानों में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

हिन्दी भाषा में रोजगार की संभावनाएँ/रोजगार क्षेत्र

- एम.ए. हिन्दी की उपाधि प्राप्त होने के बाद विद्यार्थी हिन्दी भाषा के क्षेत्र में अनेकों रोजगार प्राप्त कर सकता है। क्योंकि केन्द्र सरकार व राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों में हिन्दी भाषा में काम करना अनिवार्य है। अतः हिन्दी अधिकारी, अनुवादक, हिन्दी सहायक, प्रबन्धक (राजभाषा) जैसे विभिन्न पदो पर रोजगार के अवसर खुले है।
- निजी टी. वी. और रेडियों चैनलों में प्रस्तोता व उदधोषक के पदों पर रोजगार के अवसर मौजुद है।
- हिन्दी मीडिया में सम्पादकों, संवादाताओं, रिपोर्टरो, रेडियो जॉकी, एंकर्स आदि पदों पर रोजगार के अवसर उपलब्ध है।
- टी.वी. व सिनेमा के लिए कथालेखक, संवादलेखक, गीतकारों की आवश्यकता
- अन्तर्राष्ट्रीय लेखको की कृतियों का हिन्दी में अनुवाद क्षेत्र
- विश्वभर में सिस्ट्रान, एसडील, इन्टरनेशनल, डेट्रॉयर, ट्रांसलेशन ब्यूरो, प्रोज आदि भाषा कम्पनियों में रीडर, अनुवादक, लेखक आदि पदों पर रोजगार के अवसर मौजूद हैं।
- हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड में हिन्दी अनुवादक
- सैनिक स्कूल में सलाहकार (हिन्दी) पद मौजूद है
- दिल्ली विश्वविद्यालय में परामर्शदाता

◆ अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में जूनियर/सीनियर हिन्दी अनुवादक
◆ विश्वविद्यालयों में हिन्दी परियोजना अधिकारी के पद
◆ राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में हिन्दी प्रशिक्षक के पद
◆ विभिन्न महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों में, सहायक प्रोफेसर, एसोसियट प्रोफसर, पदों पर भर्ती
◆ अनुसन्धान संस्थानों में हिन्दी अनुवादक के पद
◆ केन्द्रीय भण्डारण निगम में हिन्दी अनुवादक
◆ केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में शोध सहयोगी पद
◆ भारतीय प्रैस परिवाद में हिन्दी अनुवादक के पद
◆ केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान में हिन्दी अनुवादक के पद
◆ भारतीय पुनर्वास परिषद में हिन्दी अनुवादक
◆ मुम्बई फ्तन न्यास में हिन्दी अधिकारी
◆ केन्द्रीय संग्रहालय व पुस्तकालयों में हिन्दी अधिकारी
◆ इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालयों में सहायक/प्रोफेसर के पद
◆ देश के विभिन्न राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्रों में विभिन्न पद

इसके अतिरिक्त विद्यार्थी स्वयं रोजगार तहत भी हिन्दी भाषा में अपना व्यापार कर सकता है। (हिन्दी टाईपिंग)

अतः एम.ए. हिन्दी की उपाधि उपरान्त हिन्दी के विभिन्न सहायक कोर्स भी विद्यार्थी कर सकता है और राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न रोजगार प्राप्त कर सकता है।

सहायक प्रवक्ता हिन्दी
हिन्दी विभाग

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
चौधरी छाज्जूराम जाट
मैमोरियल स्नातकोत्तर महाविद्यालय
हिसार (हरियाणा)